हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 208 | 26 जुलाई 2025 शनिवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरी

● झालावाड़ में प्रार्थना सभा के दौरान स्कूल की छत गिरी, सात बच्चों की मौत

● 28 घायल, 9 गंभीर, छात्रा बोली– पहले कंकड़ गिरे, लेकिन टीचर ने ध्यान नहीं दिया

झालावाड़,(एजेंसी)। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पीपलोदी गांव में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने से पांच बच्चों की मौत हो गई जबकि करीब 20 बच्चे घायल हो गए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भरतपुर के सर्किट हाउस में मीडिया को हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि पीपलोदी गांव की मिडिल स्कूल में यह दुखद हादसा सामने आया है और इसमें पांच बच्चों की मृत्यु हो गई और लगभग 20 बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं।श्री दिलावर ने बताया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जायेगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि हादसे के बाद वह अपना भरतपुर डीग का दो दिवसीय दौरा रद्द कर झालावाड़ के लिए रवाना हुए है। उन्होंने बताया कि सुबह घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने आला अधिकारियों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया था। जिला कलक्टर एवं अन्य कई अधिकारी मौके पर है और शासन सचिव (शिक्षा) कृष्ण कुणाल को भी झालावाड़ पहुंचने के लिए बोला गया है। एक सवाल के जवाब में श्री दिलावर ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में विद्यालय के भवन जर्जर अवस्था में है और उनकी मरम्मत एवं ठीक करने के लिए 200 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई हैं। हादसे के बाद राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत सहित कई नेताओं ने गहरा दुख प्रकट किया हैं। श्री बागडे ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की। इसी तरह श्री शर्मा ने

घटना पर दुख जताते हुए कहा कि झालावाड़ के पीपलोदी में विद्यालय की छत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। श्री देवनानी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि भारी बारिश के चलते राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पीपलोदी का भवन अचानक ढह जाने से पांच मासूम विद्यार्थियों की मृत्यु और 11 अन्य बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना अत्यंत पीड़ादायक है।

उन्होंने दिवंगत बच्चों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। श्री बिरला ने इस हादसे को बेहद पीड़ादायक बताते हुए इस दुखद दुर्घटना में दिवंगत हुए बच्चें को श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

'कांग्रेस शासनकाल में जाति जनगणना न कराना मेरी गलती है, इसे ठीक करूंगा'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर अहम बयान दिया है। राहुल गांधी ने माना कि अपनी पार्टी की सरकार के शासनकाल में जाति जनगणना न कराना बड़ी गलती थी। मै अब इसे सुधारना चाहता हूं। कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित किया गए भागीदारी न्याय महासम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुझे राजनीति करते हुए 21 साल हो गए हैं। जब मैं पीछे देखता हूं और खुद का आत्मनिरिक्षण करता हूं.... मैंने कहां–कहां सही काम किया और कहां कमी रही. तो दो तीन बड़े मुद्दे दिखते हैं। मैंने जमीन अधिग्रहण कानून बनाया, मनरेगा लेकर आया और नियमगिरी की लड़ाई लड़ी। ये काम मैंने ठीक किए। चाहे वह आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बात हो तो मुझे

अच्छे नंबर मिलने चाहिए, महिलाओं के मुद्दे पर सही नंबर मिले चाहिए। श्मुझे ओबीसी की दिक्कत समझ नहीं आईश राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर में अपनी कमी की बात करता हूं तो मैंने एक गलती की है, जो ओबीसी वर्ग है उसकी जिस तरह से मुझे रक्षा करनी चाहिए थी, वह मैंने नहीं की। इसका कारण था, आपके जो मुद्दे थे उस समय, मुझे गहराई से समझ नहीं आए। 10–15 साल पहले जो दिक्कतें दलितों के सामने थी वह मुझे समझ आ गई। आदिवासियों के मुद्दे भी आसानी से समझ आ जाते हैं, लेकिन ओबीसी के मुद्दे आसानी से नहीं दिखते हैं, वह छुपे रहते हैं। अगर मुझे आपकी दिक्कतों के बारे में थोड़ा सा भी पता होता तो मैं उसी समय जाति जनगणना करवा देता। यह कांग्रेस की गलती नहीं बल्कि मेरी गलती है। वो मेरी गलती है, जिसे मैं ठीक करने जा रहा हूं। ये एक तरह से अच्छा ही हुआ, क्योंकि अगर उस समय मैंने जातिगत जनगणना करवा दी होती, तो वो आज जैसी नहीं होती। इससे पहले सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 18 साल से ऊपर हमारे जितने भी नौजवान हैं, वो सभी वोटर लिस्ट में आने चाहिए।

'संघ और भाजपा जहर जैसे'

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ओबीसी वर्ग को लुभाने की कोशिश कर रही है और इन्हीं कोशिशों के तहत आज कांग्रेस दिल्ली में ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन कर रही है। इस आयोजन में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर ओबीसी वर्ग का हक छीनने का आरोप लगाया। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस शुक्रवार को ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी पिछड़ों और दलितों के लिए लड़ते हैं। अगर लोकसभा चुनाव में 30 सीटें और आतीं तो हम सत्ता में होते। जो कांग्रेस ने देश को दिया, उसे कोई खत्म नहीं कर सकता पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि श्वे झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलने का ही उनका काम है। दो करोड़ नौकरी देंगे, झूठ बोले। काला धन देश में लाकर पैसे दूंगा, वो भी झूठ बोले। एमएसपी को लेकर झूठ बोले। ओबीसी वर्ग की आय बढ़ाने को लेकर भी झूठ बोले। हर चीज पीएम मोदी झूठ बोलते हैं। अपने जीवन में खासकर संसद में वो झूठ बोलते हैं। आप लोगों को समझना

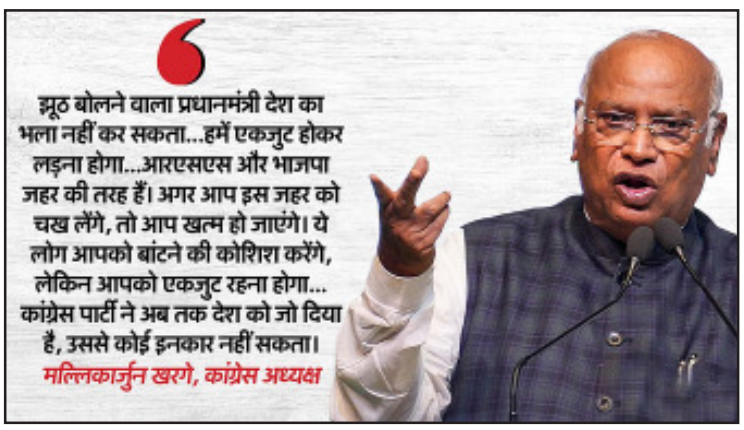

चाहिए, ये देश को गुमराह कर रहे हैं।श खरगे ने अपने संबोधन में कहा कि श्जो प्रधानमंत्री झूठ बोलते हैं, वो देश का कभी भला नहीं कर सकते। आरएसएस और भाजपा जहर जैसे हैं, अगर आप इस जहर को चख लेते हैं तो आपका सफाया तय है। हमें एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा। ये लोग आपको बांटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आपको एकजुट होना पड़ेगा। इस देश को कांग्रेस ने जो दिया है, उससे कोई इनकार नहीं कर सकता।श खरगे ने कहा कि श्ओबीसी की जाति जनगणना होनी चाहिए, ये कहने की हिम्मत सिर्फ राहुल गांधी ने दिखाई। इसलिए हम सभी को राहुल गांधी का साथ देना है। राहुल गांधी पिछड़ों–वंचितों का साथ देते हैं, उनका समर्थन करते हैं, उनके हक के लिए लड़तें हैं। ऐसे में आपको उनका साथ देना ही चाहिए।श एसआईआर के मुद्दे सरकार को घेरा खरगे ने कहा कि श्अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 25 बार ये कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया, लेकिन नरेंद्र मोदी जवाब नहीं दे रहे हैं। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर खरगे ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज ही चुनाव आयोग का नया नोटिफिकेशन आया है कि एसआईआर सिर्फ बिहार में नहीं, पूरे देश में किया जाएगा।

ये गरीबों को खत्म करना चाहते हैं, पिछड़े, दलितों और महिलाओं को वोटिंग का अधिकार देने के लिए संघ–भाजपा तैयार नहीं थी।

एक हफ्ते बाद मूसलाधार बारिश, अंधेरा छाया

30–50 किमी की रफ्तार से चल रही हवा, गोमती नगर में सड़क पर गिरा पेड़

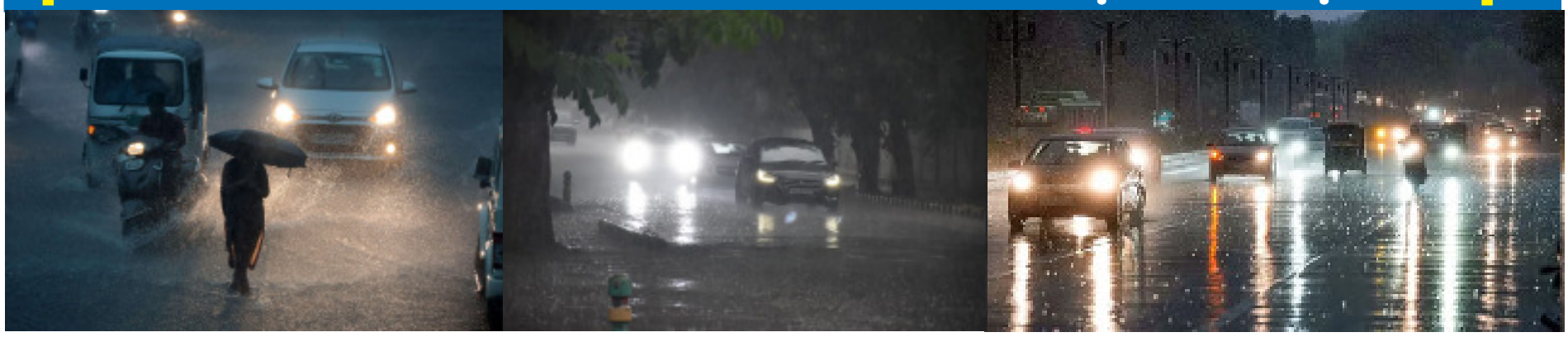

लखनऊ। लखनऊ में एक हफ्ते बाद मूसलाधार बारिश शुरू हुई। काले बादलों से अंधेरा छा गया। 30–50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इससे पहले सुबह मौसम साफ रहा और चटक धूप भी निकली। मौसम विभाग का अनुमान था कि दोपहर बाद हल्की बौछार पड़ेगी। दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहने की संभावना है। गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 94 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 63 फीसदी रहा। दिन भर गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। इस दौरान पूरे दिन बारिश नहीं हुई। तेज हवा ओर बारिश से गोमती नगर इलाके में पेड़ टूट कर सड़क पर गिर गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।लोहिया पथ पर बारिश के बीच वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। जाम के चलते वाहन रेंग रहे हैं।शहर में काले बादल छाए हुए हैं। तेज बारिश के बीच 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। लोग हैडलाइट ऑन कर के चल रहे हैं।मौसम विभाग ने लखनऊ समेत इसके आसपास के जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।भारतीय मौसम विभाग (प्डक) के अनुसार, उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव क्षेत्र देखा गया है। यह प्रणाली धीरे–धीरे पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा में बढ़ रही है और इसके अगले 24 घंटों में पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में डिप्रेशन में तब्दील होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि इस निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण–पश्चिम की ओर झुका हुआ है। यह प्रणाली अगले दो दिनों में पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए गांगेय पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, झारखंड और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया था कि आज से पूर्वी यूपी में लो प्रेशर एरिया बनने के चलते मौसम में बदलाव होगा। इससे पूर्वांचल के जिलों में बारिश होगी। लखनऊ में छिटपुट बरसात होने की संभावना जताई थी। मौसम विभाग ने सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, प्रयागराज, संत रवि दास नगर, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया, प्रतापगढ़, जालौन, झांसी, इटावा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, हाथरस, मथुरा, कासगंज, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, आंबेडकर नगर, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज, अलीगढ़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर में हल्की से मध्यम बारिश और 40 किलोमीटर तक तेज हवा चलने की संभावना जताई है।

पोस्टर पर स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदलते, भाजपा ने सपा प्रमुख पर कसा तंज

लखनऊ,(यूएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि पोस्टर पर स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदला करते। समाजवादी पार्टी की राजनीति ही धर्म पर टिकी है। दरअसल, सपा कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर को लेकर भाजपा ने उन पर निशाना साधा है जिसमें कहा गया है कि अखिलेश यादव कभी घृणा की राजनीति नहीं करते। पोस्टर पर यह भी लिखा है कि वह मंदिर और मस्जिद पर राजनीति नहीं करते। भाजपा प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि, पोस्टर में स्लोगन लिखने से कर्म नहीं बदला करते। समाजवादी पार्टी की राजनीति ही धर्म पर टिकी है। जिस तरह से मस्जिद में जाकर अखिलेश ने राजनीति को धर्म से जोड़ने की कोशिश की थी वह किसी से छिपा नहीं है। उनके साथ उनकी पत्नी डिंपल यादव भी मस्जिद गईं थीं जिसको लेकर मौलानाओं की तरफ से सवाल खड़े किए गए। भाजपा प्रवक्ता शुक्ला ने कहा कि, "संसद परिसर के पास हुई बैठक में मौजूद सपा सांसद और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के पहनावे, उनके संस्कार , और मस्जिद में जाने पर मौलाना ने सवाल उठाते हुए माफी मांगने का निर्देश दिया। ऐसा कोई सवाल कोई हिंदू पुजारी उठा देता तो अखिलेश यादव सहित समाजवादी पार्टी की पूरी ट्रोल आर्मी हिन्दू समाज को कटघरे में खड़ा कर देती मगर सवाल वोट बैंक ने पूछा है इसलिए पूरा सन्नाटा छा गया है।" गौरतलब है कि कुछ दिन पहले दिल्ली में संसद भवन के पास स्थित एक मस्जिद में अपने सांसदों के साथ बैठक कर अखिलेश विवादों में घिर गए थे।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग,दो स्कूटी और एक कार जलकर राख

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में शुक्रवार तड़के शार्ट सर्किट से एक मकान में आग लग गई। गैलरी में खड़ी दो स्कूटी और कार जलकर राख हो गई। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इंदिरानगर फायर स्टेशन को शुक्रवार तड़के सूचना मिली कि विकास नगर इलाके में एक घर में आग लग गई है। सूचना पर फायर स्टेशन इंदिरा नगर से एक यूनिट व फायर स्टेशन हजरतगंज से एक यूनिट गाड़ी के साथ घटनास्थल पर पहुंची। वहां देखा शॉर्ट सर्किट से घर के अंदर आग लगी थी। फायर टीम ने आग बुझानी शुरू की। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग घर की पार्किंग में लगी थी। जिसमें दो एक्टिवा स्कूटी और एक क्रेटा कार जल गई। घटना के वक्त घर पर कोई मौजूद नहीं था।

संविधान को लेकर केंद्र का स्पष्टीकरण सराहनीय, बोलीं मायावती, उम्मीद है अपने स्टैंड पर कायम रहेगी सरकार

लखनऊ,(यूएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि संविधान को लेकर विवाद में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करना सराहनीय है और उम्मीद है कि सरकार अपने स्टैंड पर कायम रहेगी। मायावती ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा "देश के कानून मंत्री का कल संसद में दिया गया बयान कि संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलरिज्म' (धर्मनिरपेक्षता) आदि शब्द हटाने सम्बंधी सरकार की ना कोई नीयत है और ना ही ऐसा कुछ विचाराधीन है, यह उचित एवं सराहनीय है तथा खासकर हमारी पार्टी बीएसपी. सहित देश व दुनिया भर में उन सभी लोगों के लिए राहत की खब्बर है व अच्छा आश्वासन है जो परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के संविधान में इस प्रकार के किसी भी अनुचित बदलाव या छेड़छाड़ के पूरी तरह विरुद्ध हैं तथा ऐसी उठने वाली गलत माँग को लेकर चिन्तित भी थे। उन्होने कहा, यह सर्वविदित है कि अपना भारत देश हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध व पारसी आदि विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोगों का विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है तथा संविधान के जरिए विविधता में एकता की विशेषता इसकी बेमिसाल पहचान दुनिया भर में है। सभी धर्मों के मानने वाले लोगों को एक समान आदर–सम्मान देने व समतामूलक समाज व्यवस्था आदि की सोच को लेकर ही बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान रचा और जिसकी झलक संविधान में हर कदम पर मिलती है।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिंटर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जनप्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से लेने और जवाबदेही तय करने के निर्देश

(भव्य प्रभात)

अलीगढ़/हाथरस । उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक समिति की अध्यक्ष डॉ0 प्रज्ञा त्रिपाठी की अध्यक्षता में अलीगढ़ कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद हाथरस से संबंधित विभिन्न विभागीय गतिविधियों, जनप्रतिनिधियों के प्रश्नों व सुझावों एवं सदन से जुड़े दायित्वों की गहन समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में समिति की अध्यक्ष डॉ0 त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि जिन माननीय सदस्यों द्वारा विधान परिषद में प्रश्न उठाए गए हैं, यदि उनके संबंध में कार्य पूर्ण हो चुके हैं तो उसकी सूचना शीघ्र संबंधित सदस्य को दी जाए। जनप्रतिनिधियों से संवाद और समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी सदैव सीयूजी नंबर पर उपलब्ध रहें और सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। नियमों का अक्षरशः पालन करते हुए भी व्यवहारिकता को नहीं भूला जाना चाहिए। हाथरस जनपद से संबंधित विषयों की समीक्षा करते हुए समिति को अवगत कराया गया कि अंत्येष्टि स्थलों के निर्माण के लिए प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। गोपालपुर मार्ग की मरम्मत को लेकर ग्राम निधि में धनाभाव की जानकारी दी गई, जिस पर समिति ने क्षेत्र समिति के समन्वय से कार्य

कराने की सलाह दी। समिति ने निर्देश दिए कि ग्राम स्तरीय अधिकारी कर्मचारी फोन कॉल जरूर अटेंड करें और ग्रामीणों की समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 विजय सिंह हाथरस द्वारा बताया गया कि जिले में 11 कैटल कैचर एवं 41 गौआश्रय स्थल संचालित हैं, जहां वैक्सीनेशन कार्य प्रगति पर है। कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के लिए प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। पशु चिकित्सा फार्मासिस्ट की स्वीकृत 14 पदों के सापेक्ष केवल 6 कार्यरत हैं, जिसे लेकर समिति ने शीघ्र रिक्त पद भरने की आवश्यकता जताई। एलडीएम हाथरस ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत 1700 के लक्ष्य के सापेक्ष 282 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया है। समिति ने निर्देश दिए कि बैंक अधिकारी ऋण स्वीकृति में उदारता दिखाएं और पात्र युवाओं को प्रोत्साहित करें। सहकारिता विभाग ने बताया कि सभी समितियों पर खाद उपलब्ध है। हथकरघा विभाग के अनुसार जनपद में वर्तमान में 27 पावरलूम कनेक्शन क्रियाशील हैं। पर्यटन अधिकारी जरीना बानो ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से 16 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 को स्वीकृति मिली है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी स्मृति गौतम ने जानकारी दी कि 7294 लाभार्थियों को पेंशन मिल रही है। वहीं पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिंहा ने बताया कि जिले में सभी प्राथमिकियाँ दर्ज की जा रही हैं, साइबर थाना एवं हेल्पलाइन सक्रिय हैं, और ऑपरेशन जागृति के सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस ने प्रदेश में अपराध नियंत्रण में देशभर में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि पुलिस विभाग समय–समय पर "बड़ा खाना" जैसे सामुदायिक आयोजनों के माध्यम से आमजन के बीच विश्वास बढ़ाए। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जहीर अब्बास ने बताया कि जनपद में कोई एडेड मदरसा नहीं है। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में अधीक्षण अभियंता संजीव कुमार वर्मा की अनुपस्थिति पर समिति ने नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे गंभीरता से लिया और कहा कि अधिकारी की बैठक में उपस्थिति अनिवार्य थी। धर्मार्थ कार्यों के अंतर्गत सड़कों के प्रस्ताव भेजे गए हैं तथा एक कच्चे मार्ग की मरम्मत को कार्ययोजना में सम्मिलित किया गया है। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की धनराशि से जनपद में विद्युतिकरण कार्य कराए जा रहे हैं। खराब ट्रांसफार्मरों को निर्धारित समय–सीमा में बदला जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी हाथरस डा0 मंजीत सिंह ने बताया कि एम्बुलेंस सेवा प्रभावी रूप से संचालित है और चिकित्सालयों का निरीक्षण समय–समय पर किया जाता है। बैठक के अंत में समिति ने स्पष्ट किया कि शासन और सदन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह कार्य संस्कृति अपनाएं, जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाए रखें और जनहित में योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें। बैठक में समिति के मा0 सदस्य डा0 जयपाल सिंह व्यस्त, डा0 रतनपाल सिंह, डा0 तारिक मंसूर, अनु सचिव अरूण कुमार शर्मा, समीक्षा अधिकारी मयंक यादव, प्रतिवेदक राम प्रकाश, अपर निजी सचिव रविपाल सिंह समेत अन्य पुलिस–प्रशासनिक व जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री दाऊजी महाराज मंदिर पर हरियाली तीज मेले की तैयारियों को लेकर पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी जी ने किया सफाई कार्य का औचक निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस। आगामी हरियाली तीज पर्व के अवसर पर श्री दाऊजी महाराज मंदिर पर लगने वाले परंपरागत मेले की तैयारियों के तहत नगर पालिका परिषद हाथरस की पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी जी ने सफाई कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र में चल रहे साफ–सफाई के कार्यों का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने कहा कि मेला क्षेत्र में स्वच्छता, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय से पूर्ण किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान सभासद अशोक गोला, अतुल आधीवाल, रंगीला जी, श्याम अग्निहोत्री, अनी पंडित, सफाई निरीक्षक मुशाहिद हुसैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं नगर पालिका के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पालिका प्रशासन द्वारा मेले को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर ने प्रधानमंत्री के नाम अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी और सदस्यों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम अधिकारियों मैं को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के र माध्यम से उन्होंने जनसंख्या ! नियंत्रण कानून बनाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में भारत के किसी भी प्रदेश में हिंदू समाज सुरक्षित नहीं है। हिन्दुओं के त्यौहारों पर देश के ज विभिन्न हिस्सों में हमले आ रहे हैं। जिसे लेकर संगठनों ने पिछले दिनों बंगाल मुर्शिदाबाद जिले में हुए और पहलगाम में हुई घटना उल्लेख भी किया था। देश – बढ़ती जनसंख्या का बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या होते मुसलमानों की घुसपैठ है। अधिक पत्नियों संगठनों ने घुसपैठियों को बच्चे पैदा के बाहर निकालने की भी मांग की आजीवन दंगे है। साथ ही धर्मांतरण करने दंड का प्रावधान का वाले गिरोहों के खिलाफ साथ ही ऐसे में कार्यवाही करने को कहा है। मिलने वाली कारण उन्होंने सुझाव दिया कि यदि सुविधाओं को कोई व्यक्ति एक या एक से हुए मताधिकार से दो से ज्यादा किया करता है, तो उसे वालों कारावास जैसे कठोर पंकज किया जाए। परिवारों को विशाल सभी सरकारी पीके प्रतिबंधित करते संदीप भी समाप्त ठाकुर जाए। ज्ञापन सौंपने में राहुल उपाध्याय, अग्रवाल, अभिषेक खंडेलवाल, आशुतोष अग्रवाल, कश्यप, कृष्ण देव राय, मित्तल, रजत सोनी, राजपूत, यश ठाकुर, वंश आदि शामिल थे।

न्यायालय ने दुष्कर्म के आरोपी को सुनाई 20 वर्ष की कैद

हाथरस। दुष्कर्म के न्यायालय ने सुनाई 20 साल की हजार रुपए अर्थदंड तथा दो अन्य को एक–एक साल की कैद और हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। यह है कि सादाबाद कोतवाली – बिसावर में दिनांक 16 दिसंबर लगभग 1 बजे एक व्यक्ति ने अपनी 11 बेटी को चारपाई से गायब देखा तो करने पर उसकी बेटी बेहोशी और के अवस्था में पड़ोसी धर्मपाल के घर में र पीड़िता के परिवार के लोगों ने न कहासुनी की तो ललित उर्फ गुड्डू, और चंद्रावती ने उनके साथ मारपीट को पीडिता ने बताया कि जब वह रात में शौच के 19 लिए गई थी, तब ललित उर्फ गुड्डू उसे कुछ आरोपियों सुंघाकर अपने घर ले गया और उसके साथ एक–एक दुष्कर्म किया।

प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी, प्रतियोगिता के ट्रायल में 36 महिला खिलाडियों ने किया प्रतिभाग

(भव्य प्रभात)

हाथरस। उप क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव ने बताया है कि दिनांकः 04 से 06 अगस्त तक आगरा में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी, प्रतियोगिता का आज दिनांक 25.07.2025 को जिला स्तरीय चयन , ट्रायल्स का आयोजन प्रातः 11:00 बजे खिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, हाथरस में किया गया। जिसमें 36 महिला खिलाडियों ने प्रतिभाग

किया। जिला स्तरीय चयन , ट्रायल उप क्रीड़ा अधिकारी, श्री काशी नरेश यादव जी की देख–रेख में सुजी यादव, दीप गगन, आरती, अन्नू आकाश, स्मृता द्वारा लिया गया। चयनित महिला खिलाडी मण्डल स्तरीय चयन ध ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगी, जिसका आयोजन कल दिनांक 26.07.2025 प्रातः 11:00 बजे अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम, अलीगढ किया जायेगा। जनपद हाथरस की चयनित खिलाडियों की सूची निम्नवत् है– कविता, बरखा, भावना, कीर्ति, भावना कश्यप, दीक्षा शर्मा, सपना भारती, सुमन, दिशा, प्राची सारस्वत, प्रिंयका चौधरी व ममता। आरक्षित खिलाडीः– आरूषी, टीना, मिनाक्षी यादव।

न्यायिक बोझ को कम करने और आम जनता को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है राष्ट्र के नाम मध्यस्थता अभियान रूअपर जनपद न्यायाधीश, सचिव, प्रशान्त कुमार

01 जुलाई से 30 सितंबर तक चलेगा 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान

(भव्य प्रभात)

हाथरस। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश, विनय कुमार के आदेशानुसार जनपद न्यायालय में चल रहे राष्ट्र हेतु विशेष मध्यस्थता अभियान को सफल बनाये जाने के लिए समस्त न्यायालयों से ऐसे वाद जिनका निस्तारण समझौते के माध्यम से किया जा सकता है। की पत्रावलियॉ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हाथरस में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान हेतु न्यायालयों में लम्बित वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा संबंधी मामले के मामले, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, ऋण वसूली के मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, संपत्ति के बंटवारे से सम्बन्धित मामले, बेदखली से सम्बन्धित मामले, अन्य उपयुक्त दीवानी प्रकरणों को शामिल किया गया है में मध्यस्थों द्वारा दोंनों पक्षों से वार्ता कर समझौता कराये जा रहे है। अब तक 30 मामलों

में समझौता कराया जा चुका है, जिसमें पक्षकारों के मध्य मधुरता तथा उनको त्वरित न्याय मिला। अपितु उनके धन व समय की बचत हुई। अपर जनपद न्यायाधीश, सचिव, प्रशान्त कुमार द्वारा बताया कि यह अभियान 01 जुलाई, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक चलाया जायेगा आमजन से, वादकारियों एवं विधि व्यवसायियों से यह अपील है कि वे अपने–अपने प्रार्थना पत्र सम्बन्धित न्यायालयों में माह जुलाई, 2025 के अन्दर जमा कराकर इस अभियान का लाभ उठाकर अपने मामलों का निस्तारण मध्यस्थता के आधार पर करा सकते है। यह अभियान न्यायिक बोझ को कम करने और आम जनता को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आइए, इस पहल का हिस्सा बनें और न्याय के इस सहज मार्ग को अपनाएं।' आपसी सुलह से न सिर्फ विवाद समाप्त होते हैं, बल्कि रिश्तों में भी मिठास आती है। अधिक जानकारी के लिए "जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हाथरस अथवा नालसा हेल्पलाईन नम्बर 15100 पर संपर्क करें ।

एक माह पूर्व हुई व्यापारी की हत्या के मामले का खुलासा न होने से व्यापार मंडल ने जताई नाराजगी और अपर पुलिस अधीक्षक को सौपा ज्ञापन

एक माह पूर्व हुई घटना के मामले में अपराधियों से दूर हैं पुलिस के हाथ

लालगंजरायबरेली। शुक्रवार को रायबरेली में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा से मिलकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने 30जून की रात को गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी के मर्डर का खुलासा न किए जाने के बाबत विरोध जताया है। बताते चले कि बदमाशों ने चाकू और गोली से गल्ला व्यापारीको मार डाला था और उनकी धर्मपत्नी सरोज को गोलियों से छल्ली कर अधमरा छोड़ दिया था । व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत सिंह बग्गा , जिला प्रभारी विवेक शर्मा के नेतृत्व में व्यापारी नेताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक रायबरेली को ज्ञापन सौंपा और कहा कि लगभग एक माह होने को है ।व्यापारी की हत्या की घटना का खुलासा नहीं हो सका है ।स्थानीय पुलिस को पीड़ित परिवार की पत्नी ने घटना के पूरे जानकारी दी और पहचान भी बताया है ।फिर भी पुलिस के हाथ खाली हैं । हत्या जैसी गंभीर घटना का खुलासा न होने से महरानीगंज एवं जनपद के व्यापारियों में भय व्याप्त है ।अगर घटना का खुलासा नहीं होता है तो व्यापारियों में दहशत का माहौल रहेगा ।व्यापार चौपट हो गया है। महारानीगंज व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल

सिंह ने कहा कि बाजार में इतनी बड़ी घटना हो जाने के बाद भी घटना का खुलासा नहीं हो रहा है जिससे व्यापारियों में भारी– भय और रोष व्याप्त है। पीड़ित परिवार पीड़ा के साथ–साथ भय केमाहौल में जीवन जी रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि बहुत जल्द अपराधियों को पकड़ कर पूरे साक्ष्य और तथ्य के साथ खुलासा करेंगे । इस अवसर पर रायबरेली नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नगर महामंत्री संगठन कौशलेंद्र कंचन, डलमऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष रामगोपाल वैश्य, कोयला निर्माता संघ के अध्यक्ष सरयू प्रसाद सोनकर ,शिवम तिवारी आदि व्यापारी उपस्थित रहे ।व्यापारी की हत्या की घटना का खुलासा नहीं हो सका है ।स्थानीय पुलिस को पीड़ित परिवार की पत्नी ने घटना के पूरे जानकारी दी और पहचान भी बताया है ।फिर भी पुलिस के हाथ खाली हैं । हत्या जैसी गंभीर घटना का खुलासा न होने से महरानीगंज एवं जनपद के व्यापारियों में भय व्याप्त है ।अगर घटना का खुलासा नहीं होता है तो व्यापारियों में दहशत का माहौल रहेगा ।

एएमयू में फ्रेंच के तीन छात्रों ने यूजीसी नेट एवं जेआरएफ में सफलता हासिल की

अलीगढ़,(यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विदेशी भाषाओं विभाग के फ्रेंच अनुभाग के तीन छात्रों ने प्रतिष्ठित यूजीसी नेट एवं जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर विभाग का नाम रोशन किया है। सुहैब खान और मोहम्मद अहमद जो फ्रेंच शिक्षक डॉ. सावन कुमार सिंह के निर्देशन में पीएच.डी. शोधार्थी हैं, ने क्रमशः यूजीसी नेट–जेआरएफ और यूजीसी नेट परीक्षा पास की है। इसके अतिरिक्त, एम.ए. फ्रेंच तृतीय सेमेस्टर के छात्र अब्दुल रहमान ने भी यूजीसी नेट–जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विभागाध्यक्ष प्रो. आफताब आलम ने छात्रों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता न केवल छात्रों की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध पर केंद्रित दृष्टिकोण का प्रमाण भी है।

किन्नरों का हंगामा, न्यूड होकर हाईवे पर प्रदर्शन किया, पुलिसकर्मियों पर अभद्रता का आरोप

अलीगढ़,(यूएनएस)। शुक्रवार की सुबह किन्नरों ने जीटी रोड स्थित एटा चुंगी चौराहे पर नग्न होकर जाम लगा दिया और जमकर हंगामा किया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। आरोप है कि एक होटल में उनके एक साथी को कोल्डड्रिंक में शराब पिलाकर नगदी व चेन लूट ली। जिसकी शिकायत करने थाना महुआखेड़ा गए। वहां पुलिसकर्मियों ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की। उल्टा चाकू से वार कर घायल कर दिया। जाम और हंगामे की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। शिकायत पर कार्रवाई की बात कहीं, तब कहीं जाकर तीन घण्टे बाद जाम खुला। वहीं, सीओ का कहना है कि जाम लगाने वालों पर भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा । किन्नरों ने बताया कि गुरुवार को वह गाजियाबाद एक सम्मेलन में शामिल होने गए थे। वहां से उनका साथी और कार ड्राइवर अतुल शर्मा वापस अलीगढ़ रात्रि में ही आ गया। यहां एटा चुंगी चौराहा के पास होटल (ओयो) में गया। खाना खाया। आरोप है कि होटल में कोल्डड्रिंक में शराब पिलाकर धुत कर दिया। उसकी जेब मे रखे 30 हजार रुपये, चेन व अंगूठी लूट ली। इसकी जानकारी अतुल ने फोन के माध्यम से अपने साथियों को दी। देर रात्रि वे अलीगढ़ आ गए। अतुल को साथ लेकर थाना महुआखेड़ा गए। आरोपी है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नही की। कह दिया कि पेन नहीं है। चाकू मारकर घायल भी कर दिया। इसके बाद किन्नर जीटी रोड स्थित एटा चुंगी चौराहे पर आ गए। उन्होंने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। रोड जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। महुआखेड़ा थाना पुलिस के खिलाफ नारे बाजी शुरू कर दी। कपड़े उतार कर नग्न हो गए। सड़क पर भारी जाम लग गया। वाहनों की लम्बी लम्बी लाइने लग गई। राहगीरों का कहना है कि किन्नरों ने वाहनों की चाबी निकाल ली और वापस भी नहीं दी। जाम में स्कूल जाने वाले वाहन भी फंस गए। बस में सवार स्कूली बच्चे सहम गए। किन्नरों की मांग थी कि डीएम मौके पर आये। सीओ द्वितीय ने कहा कि शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। रोड जाम करने वालो पर एफआईआर होगी।

युवक से वीडियो बनाकर वसूली करने वाली युवती और उसका साथी गिरफ्तार

अलीगढ़,(यूएनएस)। थाना क्वार्सी पुलिस ने क्रिमिनल इंटेलिजेंट विंग के सहयोग से हनी ट्रैप में फंसाकर युवक से अवैध वसूली करने वाले एक युवती और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित युवक पंकज अग्रवाल (बदला हुआ नाम) ने थाना क्वार्सी में मुकदमा दर्ज कराया था। उसने बताया कि एक युवती ने उसे प्रेम जाल में फंसाकर मथुरा के एक होटल में ले गई। वहां युवती ने उसे उकसाकर संबंध बनाए और चुपके से वीडियो बना ली। बाद में युवती ने वह वीडियो पीड़ित के मोबाइल पर भेजकर पहले 5 लाख और फिर 7 लाख रुपये की मांग की। उसने वीडियो वायरल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से सीडीआर, लोकेशन और अन्य साक्ष्य एकत्रित किए। जांच में पाया गया कि अंतरंगी वीडियो पीड़ित की परिचित युवती तनीषा सिंह (बदला हुआ नाम) ने अपने साथी शिक्षित (बदला हुआ नाम) के साथ मिलकर बनाई थी। शिक्षित बीटेक है और होटल में दूसरे कमरे में रुका हुआ था।

व्यक्ति और समाज एक–दूसरे के पूरकः जिन मणिप्रभ सूरिश्वर

बाड़मेर। थार नगरी, बाड़मेर में जैन श्री संघ, बाड़मेर के जूना केराडू मार्ग, चिन्दड़ियों की जाळ समीप स्थित जैन भवन का भूमि पूजन एवं खनन मुहुर्त अनुष्ठान शुक्रवार को प. पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणिप्रभ सूरिश्वरजी मसा., साध्वी प. पू. डॉ विद्युतप्रभाश्रीजी मसा. एवं अचलगच्छीय साध्वी प. पू. श्री भावगुणाश्रीजी आदि ठाणा की पावन निश्रा एवं लाभार्थी परिवार श्रीमान सतीश कुमारजी, निखिल कुमारजी, मेवारामजी–स्वरुपचंदजी छाजेड परिवार एवं सकल संघ की उपस्थिति में विधि–विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। जैन श्री संघ, बाड़मेर के महामंत्री किशनलाल वडेरा ने बताया कि जूना केराडू मार्ग चिन्दड़ियों की जाळ स्थित जैन समाज के जैन भवन का भूमिपूजन व खनन मुहुर्त का मंगल कार्यक्रम शुक्रवार को दोपहर में गुरूदेवश्री प. पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणिप्रभ सूरिश्वरजी मसा. आदि ठाणा की मंल निश्रा में प्रारम्भ हुआ। जहां कार्यक्रम का आगाज परमात्मा श्री महावीर स्वामी की प्रतिमा के समक्ष दीप–प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात साधु–साध्वी भगवन्त को सामूहिक गुरूवन्दन तथा लाभार्थी परिवार के सदस्यों का जैन श्री संघ की ओर से तिलक, माला, साफा, श्रीफल आदि से बहुमान किया गया। कार्यक्रम में प. पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणिप्रभ सूरिश्वरजी मसा. ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि व्यक्ति और समाज एक–दूसरे के पूरक है। दोनों ही एक–दूसरे पर निर्भर है। व्यक्ति–व्यक्ति से समाज बनता है और समाज से ही प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण व उत्थान होता है। गुरूदेवश्री ने कहा कि संघ और समाज के आगीवाण व्यक्तियों का यह दायित्व है कि वे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उचित स्थान व मान–सम्मान प्रदान करें। जैन भवन के भूमि पूजन व खनन मुहुर्त अनुष्ठान में जैन श्री संघ, बाड़मेर के अध्यक्ष एडवोकेट अमृतलाल जैन सहित प्रतिनिधि ा सभा सदस्य, जैन समाज के गणमान्य नागरिक, माताएं–बहिनें उपस्थित रही।

रेंजर नीरज जोशी की जोरदार कार्यवाही से वन माफियाओं में हड़कंप

लालगंजरायबरेली। लालगंज वन विभाग में जब से रेंजर के रूप में नीरज जोशी ने कार्यभार संभाला है। तभी से पेड़ काटने वाले बन माफियाओं के खिलाफ नीरज जोशी लगातार कार्यवाही कर रहे हैं। उनकी कड़ी कार्यवाही से बन माफियाओं में हड़कंप व्याप्त है।नीरज जोशी का कहना है कि उन्होंने स्वयं अपना मोबाइल नंबर गांव–गांव लोगों को दे रखा है कि अगर कहीं पेड़ कटता है तो उन्हें तुरंत शिकायत करें। उनकी इस पहेल का ही असर है कि उन्होंने अपने पहले पदासीन रेंजरों की अपेक्षा दोगुना राजस्व जुर्माने के रूप में सरकार के खाते में जमा कराया है। गुरुवार को ही उन्होंने चिलौला गांव में हरे नीम का पेड़ काटने

वाले आशू मौर्य पुत्र राम लखन मौर्य निवासी बाईपास रोड लालगंज के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की और 40 हजार रुपए जुर्माना किया है। आशू मौर्य ने नीम के तीन पेड़ काटे थे।इसके अलावा आम की लकड़ी लदे दो ट्रैक्टर भी पकड़ कर उनके खिलाफ भी तगड़ा जुर्माना किया है। छतौना गांव निवासी महेश पुत्र राम प्रसाद और अमरेश पुत्र कल्लू के खिलाफ कार्यवाही करते हुए रेंजर्स नीरज जोशी ने बीस–बीस हजार रुपए जुर्माना ठोका है। रेंजर नीरज जोशी का कहना है कि बिना परमिट के पेड़ नहीं कटने दिया जाएगा। उन्होंने लालगंज में अपने कार्यकाल में अब तक लगभग18 लाख रुपए जुर्माने के रूप में राजस्व सरकार के खाते में जमा कराया है जो निश्चित रूप से सराहनीय कार्यहै।

देश की रक्षा में वीरगति को प्राप्त सादाबाद के बलिदानियों के परिवारों को भूले हुक्मरान

इतिहास के पन्नों में सादाबाद का नाम दर्ज कराने वाले शहीदों के परिवार हैं उपेक्षा का शिकार, सरकारी महकमों में नहीं होती सुनवाई

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। 26 जुलाई 2025 को कारगिल की जंग को 26 साल पूरे हो जाएंगे। इन 26 सालों में बलिदानियों के परिवारों के जख्म भर पाना नामुमकिन है। 26 जुलाई आते ही हर उस परिवार के जख्म हरे हो जाते हैं, जिन्होने उस युद्ध में अपने बेटे, भाई, पति या पिता को खोया है। बहनें एक बार फिर राखी को देखकर रो पड़ती हैं। मां बाप घर के कोने में ख़डी लाठी का सहारा लेकर बाहर अकेले ही निकल पड़ते हैं। क्यों कि कारगिल युद्ध ने इनसे इनके बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। 26 साल बाद भी बलिदानियों के परिवारों की कोई सुधि लेने वाला नहीं है। वर्श 1999 में हुए कारगिल युद्ध में सादाबाद की वीरभोग्या वंसुधरा के कई जाबांज भी वतन के लिए षहीद हो गए। इन जाबांजों की षहादत से सादाबाद का नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज तो हो गया, लेकिन बलिदानियों के परिवार आज भी उपेक्षा के षिकार हैं। हुक्मरानों ने इनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया और न ही कभी यह देखने की कोषिष की कि इनकी दषा क्या है। जो सुविधाएं इन्हें मिलनीं चाहिए थीं, उनसे यह आज भी वंचित हैं।

ग्राम पंचायत नौगांव के मजरा नगला चौधरी निवासी रामकिशन सूबेदार के बेटे चौ. गजपाल सिंह ने भी कारगिल युद्ध में अपनी वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तानी फौज और आतंकियों से जमकर संघर्श किया था। उस समय प्राकषतिक रूप से आए बर्फीले तूफान में गजपाल सिंह सहित अन्य कई सैनिक फंस गए थे। गजपाल का षव करीब 45 दिन बाद मिला था। पिता रामकिशन सूबेदार ने बताया कि सरकारी महकमों में षहीदों के परिवार को कोई अहमियत नहीं मिलती। इन 25 सालों में कोई भी अधिकारी हाल तक पूछने नहीं आया। प्रतिमा स्थल पर सरकारी लाइट का बल्ब भी फुंका पड़ा है। प्रतिमा स्थल पर भी कभी कोई अधिकारी शहीद को सम्मान देने तक नहीं आता। सरकारी दफ्तरों में जाने पर भी कोई तव्वजो नहीं मिलती।

आज तक हाइवे से लेकर प्रतिमा स्थल तक नहीं बनी पक्की सड़क

सादाबाद क्षेत्र के गांव वेदई के सत्यप्रकाष सिंह परमार पुत्र लख्मी सिंह परमार ने देष की रक्षा की खातिर कारगिल युद्ध में हंसते हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। शहीद सत्यप्रकाश के बड़े बेटे विकम सिंह ने बताया कि आज तक गांव के बाहर बने हाइवे से लेकर गांव में स्थापित उनके पिता के प्रतिमा स्थल तक सड़क नहीं बनाई गई। आज भी वह सड़क कच्ची ही पड़ी है। कई बार अधिकारियों के यहां पत्र देकर सडक को बनवाए जाने की मांग की, लेकिन आज तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। अधिकारियों ने हमारे परिवार को कोई तव्वजो नहीं दी। उन्होने बताया कि उनका छोटा भाई अमर दीप सिंह भी फौज में अपनी सेवाएं दे रहा है।

न स्मारक का सौंदर्यीकरण हुआ और न शहीद गेट बनवाया

कारगिल युद्ध में गांव नगला कल्हू कंजौली निवासी हसन अली पुत्र आरिफ अली भी षहीद हो गए।

परिजन बताते हैं कि आज तक उनके स्मारक का न तो सौंदर्यीकरण कराया गया और न ही षहीद गेट बनवाया गया। कई बार अधिकारियों के यहां चक्कर काटे, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। अब शहीदों के परिवार की कोई सुनने वाला नहीं है।

ऑपरेशन कारगिल और उसके बाद चले ऑपरेशन रक्षक और पराक्रम में हाथरस जिले के २१ जवानों ने दी थी शहादत

ऑपरेषन कारगिल और उसके बाद चले ऑपरेषन रक्षक और पराक्रम में हाथरस जिले के 21 जवानों ने षहादत दी थी। इनमें सादाबाद के गांव नगला कलू के हसन अली खां, गांव नगला चौधरी के गजराज सिंह, नगला भूतिया के सत्यवीर सिंह, गांव घूंचा के पदम सिंह, गांव पुसैनी के तेजवीर सिह, मंस्याकला के जगदीष प्रसाद, नगला दली के कमलेष कुमार, गांव मई के राममोहन, गांव जंगला के सुरेष कुमार, गांव वेदई के सत्यप्रकाष, गांव मीतई के जहूर खान, गांव नगला बख्षा के धर्मेंद्र सिंह, गांव नगला पदू के भूपेंद्र सिंह, गांव भिडौरा के उदय सिंह, गांव नगला घनी के सुलेमान, गांव कंजौली के केदार सिंह, गांव अर्जुनपुर के उमेष कुमार, करील के रामकुमार, गांव अलिया के जवाहर सिंह, गांव टुकसान के मुनेंद्र सिंह ठेंनुआ और आलमपुर के योगेष कुमार ने देष के लिए कुर्बानी दी थी।

पेंशन न मिलने और चकमार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायते रहीं हावी

मंस्या और अरौठा में लगी ग्राम चौपाल, अधिकारियों ने सुनी समस्याएं

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। सादाबाद ब्लाक की ग्राम पंचायत मंस्या और अरौठा में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने आवास, षौचालय, पेंषन, राषन कार्ड, और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं सुनाईं। अधिकारियों ने इन समस्याओं को सुनकर समाधान का आश्वासन दिया।

ग्राम पंचायत मंस्या में एडीओ पंचायत रामकिशन सिंह, सचिव शैलेंद्र सिंह और ग्राम प्रधान कन्हैयालाल ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। वहीं, ग्राम पंचायत अरौठा में सचिव संत कुमार ने ग्राम प्रधान के साथ ग्रामीणों की समस्याएं जानीं। एडीओ पंचायत रामकिशन सिंह ने कहा कि ग्राम चौपाल एक महत्वपूर्ण पहल है जो ग्रामीणों को अपनी समस्याओं को सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करती है। इससे न केवल ग्रामीणों को राहत मिलती है, बल्कि सरकार को भी अपनी योजनाओं और नीतियों को बेहतर ढंग से लागू करने में मदद मिलती है। चौपाल में कई ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना या अन्य आवास योजनाओं का लाभ नहीं मिला है। कई ग्रामीणों ने वृद्धावस्था पेंषन, विधवा पेंषन और अन्य पेंषन योजनाओं के लाभ से वंचित रखे जाने के संबंध में शिकायत की। ग्रामीणों ने राषन कार्ड न बनने, राषन न मिलना, या राषन कार्ड में गलत जानकारी अंकित होने की शिकायत की। किसान सम्मान निधि न मिलने को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गईं। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए आवष्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। कुछ मामलों में अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया। मंस्या में मौके पर ही चकरोड से अवैध कब्जा हटवाया गया।

डिप्टी डायरेक्टर ने किया गौशालाओं का निरीक्षण, जलभराव व कीचड़ को दूर करने के निर्देश

लखनऊ निदेषालय से आए थे डिप्टी डायरेक्टर, पशुपालन विभाग के स्थानीय अधिकारी रहे साथ

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। लखनऊ निदेशालय से आए पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राम सिंह ने शुक्रवार को सादाबाद व सहपऊ की कई गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशालाओं में साफ सफाई की स्थिति खराब मिली। कई गौशालाओं में जलभराव व कीचड़ हो रहा था। डॉ. राम सिंह द्वारा उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पवित्रजीत सिंह, डॉ. जर्नादन सिंह, डॉ. विकास यादव आदि के साथ नगर पंचायत सहपऊ, महरारा स्थित गौशाला के अलावा सादाबाद ब्लाक की ग्राम पंचायत कजरौठी, करसौरा व आगरा रोड स्थित नगर पंचायत की अस्थायी कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान चारे पानी की पर्याप्त व्यवस्था मिली। बारिश की वजह से कीचड व जलभराव से हालात बेहद खराब मिले। सफाई कराए जाने के निर्देश दिए गए। कजरौठी गौशाला पर ग्राम प्रधान महाराज सिंह द्वारा डिप्टी डायरेक्टर डॉ. राम सिंह का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। मौके पर अन्य काफी लोग मौजूद रहे।

ऋण मंजूर कराने के बहाने समिति संचालक व सचिव ने कई बार किया शारीरिक शोशण, रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। सादाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने सादाबाद कोतवली में एक अज्ञात सहित तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में दूसरे जनपद में निवास कर रही है। वह क्षेत्र की एक आत्मनिर्भर सहकारी समिति से ऋण लेने के लिए 28 जून को अपनी बहन के साथ गई थी। समिति के सचिव व संचालक से बात हुई थी। सचिव ने कहा था हम तुम्हारा ऋण मंजूर करा देंगे, लेकिन इसके लिए तुमको हमें खुश करना पड़ेगा और हमारे बैंक के संचालक से बात करनी पड़ेगी। रिपोर्ट में महिला का आरोप है कि ऋण का लालच देकर उक्त सोसायटी सचिव व संचालक ने कई बार सोसायटी पर बुलाकर उसका शारीरिक शोषण किया। यह बार बार ऋण करवाने का लालच देकर बुला लेते हैं और बुरा काम करते हैं और फिर वापस भेज देते हैं। 17 जुलाई को सुबह 10 बजे बुलाया था और एक अन्य व्यक्ति को बुलाकर उक्त दोनों ने उसके साथ बुरा काम करने का प्रयास किया। इन लोगों से अब वह बहुत परेशान हो चुकी है।

कैंटीन संचालक व उसके बेटे के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। गांव नगला कुशल नौगांव निवासी बनवारी लाल पुत्र रनवीर सिंह ने सादाबाद कोतवाली में अजय, देवेश निवासी गांव मंस्या और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बनवारीलाल ने बताया कि 22 जुलाई को शाम करीब नौ बजे वह देशी शराब की दुकान नौगांव पर कैंटीन चला रहा था, तभी नामजद तीन लोग उसकी दुकान से सामान मांगने लगे। पैसे देने को कहा तो उसके साथ तीनों ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों व ईंटों से मारपीट व प्रहार किए। चीखने चिल्लाने पर उसका बेटा आकाश बचाने आया तो उसके साथ भी मारपीट की दी। उसके सिर में गंभीर चोट आई। जान से मारने की धमकी दी। सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई।

राजकीय डिग्री कॉलेज में २६ जुलाई से शुरू होंगी कक्षाएं

सादाबाद। राजकीय डिग्री कॉलेज कुरसंडा की प्राचार्या डॉ. मष्दुला गौतम ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय में 26 जुलाई से नए सत्र 2025–26 की कला, विज्ञान, वाणिज्य संकाय की कक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। इसके साथ ही प्रवेश प्रकिया भी चल रही है। छात्र छात्राएं प्रवेश प्रकिया पूर्ण कर समय से कक्षाओं का लाभ लेने का आह्वान किया है। उन्होने बताया कि 30 जुलाई को नई शिक्षा नीति 2020 व महाविद्यालय की समस्त शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी के लिए ओरिएंटेशन कार्यकम आयोजित किया जाएगा।

चोटिल पंत की धमाकेदार पारी ने जीता दिल

मैदान पर दर्शकों ने स्टैंडिंग ओवेशन के साथ बढ़ाया हौसला

मैनचेस्टर। चोट से जूझ रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने न सिर्फ मैदान पर वापसी की, बल्कि अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि जब टीम को उनकी जरूरत होगी वह किसी भी परिस्थिति में उसका साथ देंगे। चोट से जूझ रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने न सिर्फ मैदान पर वापसी की, बल्कि अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि जब टीम को उनकी जरूरत होगी वह किसी भी परिस्थिति में उसका साथ देंगे। उनके इसी जज्बे को भारतीय प्रशंसकों के अलावा ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में मौजूद इंग्लैंड के दर्शकों ने भी सराहा। सोशल मीडिया पर तमाम ऐसे वीडियो और फोटो वायरल हैं, जिनमें प्रशंसकों को पंत का स्वागत स्टैंडिंग ओवेशन के साथ करते देखा जा सकता है। अंगूठे में फ्रैक्चर के बावजूद की वापसी भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के शुरुआती दिन पंत चोटिल हो गए थे। उस वक्त वह 37 के स्कोर पर थे और रिवर्स स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर जाना पड़ा। हालांकि, दूसरे दिन पंत की एक बार फिर मैदान पर वापसी हुई और उन्होंने 71 गेंदो में अपने टेस्ट करियर का 18वां पचासा पूरा किया। दर्द से कराहने के बावजूद पंत 75 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 54 रनों की शानदार पारी खेलने में कामयाब हुए। सोशल मीडिया पर फैंस ने जताई खुशी पंत की वापसी ने भारतीय प्रशंसकों का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर सभी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आइये देखते हैं... भारतीय क्रिकेटर इशांत शर्मा ने टेस्ट सीरीज के चौथे टेस्ट में ऋषभ पंत के चोट लगने के बावजूद बल्लेबाजी करने पर कहा, श्यह दर्शाता है कि वे मानसिक रूप से कितने मजबूत हैं। अगर आप जीवन में हार नहीं मानते, तो आज किसी भी परिस्थिति में मजबूत वापसी कर सकते हैं।श दर्द से कराहने के बावजूद 54 रनों की पारी खेलकर लौटे पंत भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के शुरुआती दिन पंत चोटिल हो गए थे। उस वक्त वह 37 के स्कोर पर थे और रिवर्स स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर जाना पड़ा। हालांकि, दूसरे दिन पंत की एक बार फिर मैदान पर वापसी हुई और उन्होंने 71 गेंदो में अपने टेस्ट करियर का 18वां पचासा पूरा किया। दर्द से कराहने के बावजूद पंत 75 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 54 रनों की शानदार पारी खेलने में कामयाब हुए। पंत ने धोनी को पछाड़ा इसी के साथ पंत ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह ेम्छ। देशों में टेस्ट में सबसे ज्यादा 50 स्कोर बनाने वाले विदेशी विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 14 बार इन देशों में 50 से ज्यादा रनों की पारियां खेली हैं। इस मामले में पंत ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाए। तीसरे स्थान पर जॉन वेट हैं।

चार मैचों की सीरीज के लिए भारतीय हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी एशिया कप की तैयारियों के तहत 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त को छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की टीम का सामना करेगी। सभी मैच पर्थ में खेले जाएंगे। वहीं, एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता का विजेता अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। भले ही यह मैत्रीपूर्ण सीरीज है लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से हमें खुद को परखने का अच्छा मौका मिलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों का आमना सामना हुआ था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3–2 से हराया था। भारत ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया पर 3–2 से जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलिया ने 2013 से इन दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीत हासिल की है, जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं।

लीजेंड हल्क होगन की मौत का कारण आया सामने, जानें डॉक्टरों ने क्या कहा?

90 के दशक के बच्चों का डब्ल्यूडब्ल्यूई हीरो हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थिति अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताया है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डिक अरेस्ट है। साथ ही डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बता दें कि, कुछ हफ्तों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनकी पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह भी बताया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक भी कहा था कि उनके पिता का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं। हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है। जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चौंपियन बनते देखा है। गौरतलब है कि, हल्क होगन का करियर 80 के दशक से सेलिंग की दुनिया में सक्रिया हो चुके थे, फैंस तो उन्हें रियल लाइफ सुपरहीरो मान चुके थे। उनका पीले–लाल रंग का कॉस्ट्यूम एक अलग ही पहचान बन चुका था। वहीं स्लोगनैंल ल्वनत च्तंलमते, म्ंज ल्वनत टपजंउपदे सभी को मुंह जुबानी रट चुका था।

सात्विक–चिराग की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, प्रणय को मिली हार

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कर्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौरे के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21–18, 15–21, 8–21 से हार कर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना रेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21–19, 21–19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8–6 और बाद में 14–12 की मामूली बढ़त बना ली थी।

ब्रिटेन के साथ एफटीए से भारत को फायदा, अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौतों की जरूरतः आरबीआई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का शुक्रवार को स्वागत करते हुए कहा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को मदद मिलेगी। एफई मॉडर्न बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में यहां मल्होत्रा ने कहा कि बहुपक्षवाद अब बीते दिन की बात है और देश को अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौतों (जैसे ब्रिटेन एफटीए) की जरूरत है। लंदन में ब्रिटेन के साथ हुए व्यापार समझौते पर केंद्रीय बैंक की यह पहली टिप्पणी है। मल्होत्रा ने कहा, '' उम्मीद है कि इससे (ब्रिटेन के साथ एफटीए से) हमें मदद मिलेगी... अब आगे बढ़ने का यही रास्ता है, क्योंकि दुर्भाग्य से बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है।'' उन्होंने साथ ही कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत ''अग्रिम चरण'' में है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वर्तमान वास्तविकताओं को देखते हुए जहां बहुपक्षवाद पीछे छूट गया है ...भारत के लिए अन्य देशों के साथ ऐसे और अधिक समझौते करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ऐसे कई समझौतों पर बातचीत जारी है। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) कहा जाता है। अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौतों की जरूरत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के उनके समकक्ष केअर स्टार्मर की उपस्थिति में इस पर लंदन में बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किए गए। इससे दोनों देशों के लिए वस्तुओं और सेवाओं के बाजार खुलेंगे। इस बीच, मल्होत्रा ने फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए अपने अमेरिकी समकक्ष जेरोम पॉवेल के काम का ऐसे समय में समर्थन किया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी (फेडरल की) नीतियों पर अपनी निराशा सार्वजनिक तौर पर व्यक्त की है। मल्होत्रा ने कहा, '' ... वह (पॉवेल) बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है। मुझे लगता है कि उन्होंने सराहनीय काम किया है। भारत और ब्रिटेन ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए भारत और ब्रिटेन ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर ब्रिटेन में कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं ब्रिटिश कारों एवं व्हिस्की जैसे उत्पादों पर शुल्क कम होंगे। अगले साल से लागू होने वाले इस समझौते का लक्ष्य वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करना है जो फिलहाल 56 अरब डॉलर है। भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट एवं सौंदर्य प्रसाधनों सहित विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं के लिए अपना बाजार खोल दिया है। इसके साथ ही उसे कपड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे निर्यात उत्पादों तक भी आसान पहुंच मिलेगी।

मैनचेस्ट में टीम इंडिया का अनोखा रिकॉर्ड, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में हुआ ऐसा पहली बार

भारत और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच चौथा टीम टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम ने 3 बदलाव किए। लगातार बल्ले से संघर्ष कर रहे करुण नायर की छुट्टी हुई। उनकी जगह साई सुदर्शन को मौका दिया गया। इसके अलावा चोटिल तेज गेंदबाज आकाशदीप की जगह अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला। मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉर्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहस में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है। मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉ्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहास में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है। भारत की प्लेइंग 11 में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

भव्य प्रभात

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब–तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तौर–तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर–तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर–तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर–तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

लड़कियों के लिए सामाजिक व्यवस्था अब भी क्रूर और जजमेंटल

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

चंडीगढ़ की वामिका हो या जयपुर की स्वप्निल– समाज और व्यवस्था अब भी इनके लिए बेहद क्रूर है। समाज इन्हें अपनी निगाहों से तौलता–परखता रहता है और कानून वह मंच नहीं दे पाता जहां वे निडर होकर अपनी फरियाद सुना सकें। व्यवस्था अक्सर पीड़िताओं के हकध में होने से इंकार करती है। इसका नतीजा यह होता है कि एक के बाद एक कई लड़कियां और महिलाएं जुर्म का शिकार होती चली जाती हैं और फिर आधी आबादी की तरक्की के रास्ते रुक जाते हैं। परिवार उन्हें कैद रखने में ही अपना हित समझने लगते हैं। उनकी पूरी कोशिश केवल इतनी होती है कि लड़की मायके में सुरक्षित रहकर सीधे ससुराल में सुरक्षित पहुंच जाए। आंख फिर केवल तब खुलती है जब ससुराल से बेटी की असमय और संदिग्ध मौत की खबर उन्हें मिलती है। अब भी कई परिवार इसी सोच पर यकीन रखते हैं कि हमने तो डोली सजा दी, अब अर्थी भी वहीं से सज–धजकर निकले। अफसोस कि इस इतवार को जयपुर की स्वप्निल संदिग्ध हालात में मौत की नींद सो गई। व्यवस्था का हाल तो इस कध्दर अस्त–व्यस्त है कि वह अपराधी को दंड तो दूर उलटे नवाजने की दिशा में बढ़ने लगती है। स्वप्निल से पहले चंडीगढ़ की वामिका कुंडू की बात, जिसके आरोपी विकास बराला को हरियाणा सरकार ने हाल ही में असिस्टेंट एडवोकेट जनरल बना दिया है। विकास फिलहाल जमानत पर बाहर है। यह अगस्त, 2017 की घटना है जब आरोपी ने चंडीगढ़ की सड़कों पर वामिका का पीछा किया। अपने एक साथी के साथ उसकी कार में घुसकर उसे अगुआ करने की कोशिश की लेकिन साहसी वामिका ने हिम्मत नहीं हारी। किसी तरह वह बचती–बचाती रही। चंडीगढ़ की सड़कों के सीसी टीवी फुटेज इस घटना के गवाह बने। खुद को बचाने के इस संघर्षपूर्ण साहस के लिए उन दिनों के स्थानीय और राष्ट्रीय अखबार वामिका की तारीफों से अटे हुए थे। अगस्त, 2017 में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। वह कानून का विद्यार्थी था, उसे परीक्षा देने की अनुमति भी मिली लेकिन जनवरी, 2018 से वह जमानत पर बाहर आ गया जबकि उस पर चंडीगढ़ पुलिस ने धारा 354 डी (घूरने), 341 (गलत आचरण), 365 (अपहरण की कोशिश) और धारा 511 के तहत अपराध दर्ज किए हैं। यानी आरोपी अपराध तो करना चाहता था लेकिन किसी कारण से वह सफल न हो सका। विकास पर नशे में गाड़ी चलाने का भी इलजाम था। वामिका के पिता वीएस कुंडू आईएएस अफसर हैं और आरोपी के यूं सरकारी सिस्टम का हिस्सा बनने के बाद उन्होंने कहा कि इस पर मेरी या वामिका की टिप्पणी की क्या जरूरत है? यह सरकार को देखना चाहिए कि वह जिम्मेदार पदों पर कैसे लोगों को नियुक्त कर रही है जबकि केस अब भी चल रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा कि–हमने न्याय व्यवस्था में गहरी आस्था के साथ इस केस को रखा था लेकिन सात साल हो गए, कुछ नहीं हुआ। गौर करना चाहिए कि आरोपी के पिता सुभाष बराला उस समय भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष (2014–2020) थे और अब इसी पार्टी से राज्यसभा के सांसद हैं। क्या यह समझना मुश्किल है कि हाई प्रोफाइल मामलों में देर क्यों होती है? जबकि ऐसे पदों से मिसाल पेश की जानी चाहिए ताकि लड़कियां बेखौफ होकर अपनी जिन्दगी और कैरियर की राह चुन सकें। संकेत साफ हैं कि एक आईएएस की बेटी के लिए भी न्याय का रास्ता काफी टेढ़ी डगर से ही गुजरता है। बरसों–बरस मामला खिंचता है और अपराधी सरकारी पद भी पा जाता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि उत्तराखंड की अंकिता भंडारी को जरूर न्याय मिला लेकिन वह अब दुनिया में नहीं है। अंकिता भी केवल 19 साल की थी और देहरादून के रिसोर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। उसकी हत्या रिसोर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कर दी थी। अंकिता का शव छह दिन बाद ऋषिकेश की नहर से बरामद हुआ था। वह 18 सितंबर, 2022 से गायब थी। अंकिता के पिता सुरक्षा गार्ड थे और वह दस हजार रूपए की नौकरी से पिता की आर्थिक मदद करना चाहती थी। केवल उत्तराखंड में नहीं समूचे उत्तर भारत की निम्न मध्य और मध्यम आय वर्गीय बेटियों की राह में काम करने की राह में कई चुनौतियां हैं। मेहनत कर के मुकघम पाने की राह में ये लड़कियां अपराधियों के हत्थे चढ़ जाती हैं। नतीजतन देश की आधी आबादी अब भी घर की चार दीवारी में ही सुरक्षा देखती है लेकिन स्वप्निल के मामले में तो उसका घर ही उसकी जान ले गया। इस घटना के लिखने को एक श्कन्फेशन नोटश कहना ज्यादा सही होगा क्योंकि अगर जो भीतर जाया जाता तो बहुत कुछ बचाया जा सकता था। इन दिनों हर कोई इस कदर सभ्य हो गया है कि कोई किसी के मामले में न दाखिल होना चाहता है और न दखल देना। लगभग दो साल पहले ही स्वप्निल हमारी बिल्डिंग के एक फ्लैट में आकर रहने लगी थी। पति और बच्चे के साथ परिवार को देखकर सभी आश्वस्त हो जाते हैं कि परिवार है, सब कुछ सही ही होगा। अकेले लड़के–लड़कियों को जरूर शकध की निगाह से देखा जाता है। इस परिवार को रहते हुए कुछ ही समय बीता होगा कि एक दिन स्वप्निल रात के समय जोर–जोर से पड़ोसी का दरवाजा पीटते हुए चीख रही थी।

कि उसे बचा लो, उसका पति उसे मार डालेगा। परिवार का मामला मानकर सभी ने उसे समझा–बुझाकर वापस भेज दिया। शायद इसी समय पीड़िता समाज से उम्मीद करती है कि उसकी रक्षा की जाए, उसकी तकलीफ सुनी जाए। पुलिस के पास जाने की हिम्मत बहुत कम महिलाएं जुटा पाती हैं। वामिका जरूर अपने पिता के सहयोग से ऐसा कर पाती है लेकिन न्याय तब भी नसीब नहीं हो पाता। स्वप्निल भी पुलिस के पास नहीं गई। उसका ससुराल पक्ष जो करीब ही रहता था, बिल्डिंगवासियों को बहू के अजीबो–गरीब किस्से सुना कर चला गया कि इसके ही लक्षण ठीक नहीं हैं और यह अच्छी बहू होने के काबिल नहीं है। बिल्डिंगवासी दोबारा अपनी जिन्दगी में शामिल हो गए। बाद में पता चला कि स्वप्निल को कैंसर हो गया है और वह अब ठीक भी हो रही है। इस बीच कुछ महीनों तक फ्लैट खाली रहा। फिर यह परिवार लौट आया। लगा जैसे इनकी जिन्दगी अब सामान्य है और पति –पत्नी में सुलह हो चुकी है। यह सच नहीं था। बमुश्किल एक महीना भी नहीं बीता था कि स्वप्निल के फ्लैट के आगे शोर था और पड़ोसी घबराए हुए एम्बुलेंस और पुलिस को फोन कर रहे थे। बेसुध स्वप्निल जमीन पर पड़ी थी और चुन्नी पंखे से लटक रही थी। बच्चा घबराहट में कांप रहा था, रो रहा था और उसका पति कभी दौड़ता तो कभी उसे पानी पिलाता। पुलिस एम्बुलेंस से पहले आ गई। वह वीडियो बनाते हुए घर में दाखिल हुई, जब हाथ जोड़कर प्रार्थना की गई कि पहले अस्पताल ले जाया जाए तो वे उसे जयपुर के ही सवाई मान सिंह अस्पताल ले गए लेकिन स्वप्निल जिंदा नहीं थी। बाद में स्वप्निल के पिता ने अपनी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने की बात पुलिस से कही और कहा कि पति समेत पूरे परिवार ने मेरी बेटी की जान ले ली। नशे का आदी उसका पति उसे पीटता था इसलिए वह कुछ समय मेरे पास आकर रही थी। शायद यह सब कहने में देर हो चुकी थी। स्वप्निल की मौत आत्महत्या है या हत्या, कानूनी पड़ताल का विषय है लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में वह समाज से कई सवाल करती है। आत्महत्या एक व्यक्ति की नहीं समाज के कमजोर ताने–बाने की असफलता है। बिना मदद के स्वप्निल जैसी अनगिनत महिलाएं घुटती ही चली जाती हैं। कभी वे खुद अपना गला घोंट लेती हैं तो कभी घर की हिंसा उन्हें मार देती है। मदद के अभाव में वे अलग होने का फैघ्सला भी नहीं कर पाती। अनामिका सिंह की कविता बहुत कुछ कहती है– चिमनियां, तीलियां, डोरियां चाहिए दाहने, टांगने बीवियां चाहिए। सेंकने रोटियां अपने घर की उन्हें सिर्फ औरों के घर बेटियां चाहिए। जो सितम सह के भी बोलती कुछ न हों बज्म में वो हसीं तितलियां चाहिए। हुक्म जो रात–दिन उनका माना करे उनको साथी नहीं दासियां चाहिए। रोकने को दमन जिस्म और रूह पर खेलनी फाइनल पारियां चाहिए। आप इंसान तो हम भी इंसान हैं आत्मसम्मान संग झप्पियां चाहिए। वक्त रहते जुबां खोल दो लड़कियो! जिन्दगी की हमें चाबियां चाहिए।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

आप अपने घर के दरवाजे पर खड़े हैं और पांच किलोमीटर की दूरी तय करते हुए आपको काम पर जाना है लेकिन आपके पास न तो कार है, न ही कोई बस सेवा उपलब्ध है। अब ऐसे में आपके पास दो ही विकल्प हैं या तो एक घंटे पैदल चलें, या फिर बिना ज्यादा पसीने बहाए अपनी साइकिल पर सवार होकर कुछ ही मिनटों में पहुंच जाएं। अमूमन आप दूसरा विकल्प ही चुनते हैं। साइकिल चलाना सबसे बेहतर परिवहन साधनों में से एक है जिसमें ऊर्जा की बिल्कुल भी खपत नहीं होती है। साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं। लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव–यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है।

साइकिल अद्भुत मशीन है

साइकिल एक बहुत ही सरल रचना हैरू दो पहिए (इसलिए इसे ''बाय–साइकिल कहा जाता है), एक चेन के जरिए ताकत को पिछले पहिए तक पहुंचाने वाला पैडल और हमारे प्रयास को सही तरीके से नियंत्रित करने वाला गियर। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है।

सड़क को छूना

साइकिलें इन समस्याओं को हल करने के लिए दुनिया के महान आविष्कारों में से एक, पहियों का उपयोग करती हैं। धरती पर कदमों के छूने के बजाय इसमें आपको 'रोलिंग कॉन्टैक्टश मिलता है– टायर का हर हिस्सा उठने से पहले सड़क की सतह को हल्के से ''छूताश्श है जिससे कोई शारीरिक ऊर्जा खपत नहीं होती और चूंकि पहिया सुचारू रूप से घूमता रहता है, ताकत सीध ाा नीचे की ओर जमीन पर लगती है, इसीलिए निरंतर चलते रहते हैं। आपके पैडल चलाने से लगने वाला बल सीधे गति में परिवर्तित हो जाता है जो साइकिल को आगे की ओर धकेलता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत साइकिल हमारी मांसपेशियों को बेहतर ढंग से काम करने में भी मदद करती हैं। मनुष्यों की मांसपेशियों की एक बुनियादी सीमा होती हैरू वे जितनी तेजी से सिकुड़ती हैं, उतनी ही कमजोर होती जाती हैं और उतनी ही ज्यादा शारीरिक ऊर्जा खर्च करती हैं। यही वजह है कि दौड़ना, चलने या जॉगिंग की तुलना में इतना कठिन लगता है, क्योंकि आपकी मांसपेशियां अपनी गति की सीमा के करीब काम कर रही होती हैं, और हर कदम के साथ उनकी कार्यक्षमता कम होती जाती है। जैसे–जैसे आप तेज चलते हैं, आप एक बड़े गियर में स्थानांतरित कर सकते हैं जिससे आपकी मांसपेशियों को तेजी से काम नहीं करना पड़ता, लेकिन साइकिल की रफ्तार बढ़ती रहती है। आपकी मांसपेशियां ताकत लगाने और शारीरिक ऊर्जा कम खपत करने के लिए अपनी सबसे सही स्थिति में बनी रहती हैं। यह ऐसे है जैसे आपके पास एक निजी सहायक हो जो लगातार आपका काम इस तरह से समायोजित करता है कि आप हमेशा अपनी सबसे बेहतरीन क्षमता में बने रहें। कभी–कभी चलना भी अच्छा है साइकिल हर स्थिति में बेहतर नहीं होती।